Dhurandar Dharmraj Ki Aarti Lyrics in Hindi & English with meaning

Om Jai Dharm Dhurandar Dharmraj Ki Aarti Lyrics in Hindi

ॐ जय जय धर्म धुरन्धर,
जय लोकत्राता ।
धर्मराज प्रभु तुम ही,
हो हरिहर धाता ॥

जय देव दण्ड पाणिधर यम तुम,
पापी जन कारण ।
सुकृति हेतु हो पर तुम,
वैतरणी तारण ॥

न्याय विभाग अध्यक्ष हो,
नीयत स्वामी ।
पाप पुण्य के ज्ञाता,
तुम अन्तर्यामी ॥

दिव्य दृष्टि से सबके,
पाप पुण्य लखते ।
चित्रगुप्त द्वारा तुम,
लेखा सब रखते ॥

छात्र पात्र वस्त्रान्न क्षिति,
शय्याबानी ।
तब कृपया, पाते हैं,
सम्पत्ति मनमानी ॥

द्विज, कन्या, तुलसी,
का करवाते परिणय ।
वंशवृद्धि तुम उनकी,
करते नि :संशय ॥

दानोद्यापन-याजन,
तुष्ट दयासिन्धु ।
मृत्यु अनन्तर तुम ही,
हो केवल बन्धु ॥

धर्मराज प्रभु,
अब तुम दया ह्रदय धारो ।
जगत सिन्धु से स्वामिन,
सेवक को तारो ॥

धर्मराज जी की आरती,
जो कोई नर गावे ।
धरणी पर सुख पाके,

मनवांछित फल पावे ॥

Om Jai Dharm Dhurandar Dharmraj Ki Aarti Lyrics in English

Om Jai Jai Dharam Dhuurandhar,
Jai Loktrata.
Dharamraj Prabhu tum hi,
Ho Harihar Dhata.

Jai Dev Dand Panidhar Yam Tum,
Paapi Jan Karan.
Sukriti Hetu Ho Par Tum,
Vaitarni Taran.

Nyay Vibhaag Adhyaksh Ho,
Niyat Swami.
Paap Punya Ke Gyata,
Tum Antaryami.

Divya Drishti Se Sabke,
Paap Punya Lakhte.
Chitragupt Dwara Tum,
Lekha Sab Rakhte.

Chhatra Patra Vastraanna Kshiti,
Shayyabani.
Tab Kripaya, Paate Hain,
Sampatti Manmaani.

Dwij, Kanya, Tulsi,
Ka Karvate Parinay.
Vanshvriddhi Tum Unki,
Karte Nishchay.

Danodyapan-Yajan,
Tusht Dayasindhu.
Mrityu Anantar Tum Hi,
Ho Keval Bandhu.

Dharamraj Prabhu,
Ab Tum Daya Hriday Dharo.
Jagat Sindhu Se Swamin,
Sevak Ko Taro.

Dharamraj Ji Ki Aarti,
Jo Koi Nar Gaave.
Dharani Par Sukh Paake,
Manvanchhit Phal Paave.

Om Jai Dharm Dhurandar Dharmraj Ki Aarti Meaning in Hindi

ॐ जय जय धर्म धुरन्धर,
जय लोकत्राता।
धर्मराज प्रभु तुम ही,
हो हरिहर धाता।

- हे धर्मराज, आप धर्म के महान संरक्षक और संसार के रक्षक हैं।
- आप ही प्रभु धर्मराज हैं, जो सृष्टि के पालनकर्ता हैं और हरि (विष्णु) और हर (शिव) के कार्यों को संचालित करते हैं।

जय देव दण्ड पाणिधर यम तुम,
पापी जन कारण।
सुकृति हेतु हो पर तुम,
वैतरणी तारण।

- हे यमराज, आपको प्रणाम, जो दण्डधारी हैं और पापियों को उनके कर्मों का फल देते हैं।
- आप पुण्यात्माओं को उनकी सुकृतियों के लिए पारितोषिक देते हैं और उन्हें वैतरणी (मुक्ति के प्रतीक) से पार कराते हैं।

न्याय विभाग अध्यक्ष हो,
नीयत स्वामी।
पाप पुण्य के ज्ञाता,
तुम अन्तर्यामी।

- आप न्याय विभाग के अध्यक्ष हैं और सभी नियमों के स्वामी हैं।
- आप पाप और पुण्य के ज्ञाता हैं और सबके अंतर की बात जानते हैं।

दिव्य दृष्टि से सबके,
पाप पुण्य लखते।
चित्रगुप्त द्वारा तुम,
लेखा सब रखते।

- आप अपनी दिव्य दृष्टि से सभी के पाप और पुण्य को देखते हैं।
- चित्रगुप्त के माध्यम से आप सबका लेखा-जोखा रखते हैं।

छात्र पात्र वस्त्रान्न क्षिति,
शय्याबानी।
तब कृपया, पाते हैं,
सम्पत्ति मनमानी।

- जो आपकी कृपा चाहते हैं, उन्हें छत, भोजन, वस्त्र, और अन्य आवश्यकताएँ प्राप्त होती हैं।
- आपकी कृपा से उन्हें मनमानी संपत्ति और सुख-सुविधाएँ मिलती हैं।

द्विज, कन्या, तुलसी,
का करवाते परिणय।
वंशवृद्धि तुम उनकी,
करते नि :संशय।

- आप ब्राह्मणों, कन्याओं, और तुलसी जी के विवाह में आशीर्वाद देते हैं।
- आप उनकी वंश वृद्धि और परिवार की उन्नति सुनिश्चित करते हैं।

दानोद्यापन-याजन,
तुष्ट दयासिन्धु।
मृत्यु अनन्तर तुम ही,
हो केवल बन्धु।

- आप दान, अनुष्ठान और यज्ञ से प्रसन्न होते हैं, क्योंकि आप दया के सागर हैं।
- मृत्यु के पश्चात, आप ही आत्मा के सच्चे साथी और मार्गदर्शक होते हैं।

धर्मराज प्रभु,
अब तुम दया ह्रदय धारो।
जगत सिन्धु से स्वामिन,
सेवक को तारो।

- हे धर्मराज प्रभु, कृपया अपने ह्रदय में दया रखें और हम पर कृपा करें।
- इस संसार रूपी सागर से अपने भक्तों को पार कराएं और उन्हें मुक्ति दें।

धर्मराज जी की आरती,
जो कोई नर गावे।
धरणी पर सुख पाकर,
मनवांछित फल पावे।

- जो कोई भी श्रद्धा के साथ धर्मराज जी की इस आरती का गायन करता है,
- वह इस धरती पर सुख प्राप्त करता है और अपनी मनचाही इच्छाओं को पूरा करता है।

Om Jai Dharm Dhurandar Dharmraj Ki Aarti Meaning in English

Om Jai Jai Dharam Dhurandhar,
Jai Loktrata.
Dharamraj Prabhu tum hi,
Ho Harihar Dhata.

- Glory to Lord Dharamraj, the upholder of righteousness and the savior of the world.
- You, Lord Dharamraj, are the sustainer of creation and the one who governs the duties of both Lord Vishnu (Hari) and Lord Shiva (Har).

Jai Dev Dand Panidhar Yam Tum,
Paapi Jan Karan.
Sukriti Hetu Ho Par Tum,
Vaitarni Taran.

- Hail to You, O Lord Yama, who holds the staff of justice, punishing the sinful.
- You reward the virtuous and guide them across the spiritual river *Vaitarni* (symbolizing liberation and the afterlife).

Nyay Vibhaag Adhyaksh Ho,
Niyat Swami.
Paap Punya Ke Gyata,
Tum Antaryami.

- You are the head of the department of justice and the master of eternal laws.
- You are the knower of all deeds, both sinful and virtuous, and the all-knowing divine presence (*antaryami*).

Divya Drishti Se Sabke,
Paap Punya Lakhte.
Chitragupt Dwara Tum,
Lekha Sab Rakhte.

- With your divine vision, you observe the sins and virtues of all beings.
- Through Chitragupta (your assistant), you maintain the account of every soul's actions.

Chhatra Patra Vastraanna Kshiti,
Shayyabani.
Tab Kripaya, Paate Hain,
Sampatti Manmaani.

- Those who seek your blessings receive shelter, food, clothing, and support.
- Through your grace, they enjoy material wealth and comforts according to their desires.

Dwij, Kanya, Tulsi,
Ka Karvate Parinay.
Vanshvriddhi Tum Unki,
Karte Nishchay.

- You bless the sacred ceremonies, such as the weddings of Brahmins, girls, and even the symbolic marriage of the *Tulsi* plant.
- You ensure the growth and prosperity of their family lineage.

Danodyapan-Yajan,
Tusht Dayasindhu.
Mrityu Anantar Tum Hi,
Ho Keval Bandhu.

- You are pleased by acts of charity, sacrifices, and rituals, being the ocean of mercy.
- After death, you are the only true companion and guide for every soul.

Dharamraj Prabhu,
Ab Tum Daya Hriday Dharo.
Jagat Sindhu Se Swamin,
Sevak Ko Taro.

- O Lord Dharamraj, please have mercy on us and be compassionate in your judgment.
- Help your devotee cross the ocean of worldly existence and reach liberation.

Dharamraj Ji Ki Aarti,
Jo Koi Nar Gaave.
Dharani Par Sukh Paake,
Manvanchhit Phal Paave.

- Whoever sings this aarti of Lord Dharamraj with devotion will attain happiness on earth.
- They will also achieve their heart’s desires and blessings from the Lord.